"कुडनकुलम परमाणु विद्युत इकाई 1 व 2 की संरक्षा समीक्षा में शामिल एसीपीएसआर एवं सहयोगी समूहों के

फीडबैक अनुभव" विषय पर एईआरबी हिंदी गोष्ठी का आयोजन

परमाणु ऊर्जा नियामक परिषद में दिनांक 28.06.2018 "कुडनकुलम परमाणु विद्युत इकाई 1 व 2 की संरक्षा समीक्षा में शामिल एसीपीएसआर एवं सहयोगी समूहों के फीडबैक अनुभव" विषय पर एक हिंदी गोष्ठी का आयोजन किया गया।

इस गोष्ठी में कुडनकुलम परमाणु विद्युत इकाई 1 व 2 की संरक्षा समीक्षा के लिए गठित की गई समिति "संरक्षा संयंत्र समीक्षा हेतु सलाहकार समिति (एसीपीएसआर)" व उसके सहयोगी समूहों के सभी सदस्यों को आमंत्रित किया गया जिसमें एईआरबी, एनपीसीआईएल तथा भाभा परमाणु ऊर्जा केन्द्र के वर्तमान व भूतपूर्व कार्यालय प्रमुख व वरिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारीगण शामिल थे। इसके साथ ही परमाणु ऊर्जा विभाग की मुंबई स्थित इकाइयों के प्रमुख तथा हिंदी पदाधिकारियों को भी आमंत्रित किया गया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में एईआरबी के प्रथम अध्यक्ष प्रो.ए.के.डे उपस्थित थे तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में एनपीसीआईएल के पूर्व प्रबंध निदेशक श्री एस.के.चटर्जी गोष्ठी में शामिल हुए।

गोष्ठी के उद्‌घाटन सत्र का शुभारंभ करते हुए श्री शिव अभिलाष भारद्वाज, अध्यक्ष, एईआरबी

गोष्ठी के उद्‌घाटन सत्र का शुभारंभ करते हुए श्री शिव अभिलाष भारद्वाज, अध्यक्ष, एईआरबी ने स्वागत संबोधन प्रस्तुत किया जिसमें उन्होंने सभी उपस्थित अतिथियों का स्वागत करते हुए कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की। अपने संबोधन में उन्होंने कुडनकुलम परमाणु विद्युत इकाई 1 व 2 की संरक्षा समीक्षा के लिए गठित एसीपीएसआर की भूमिका से अवगत कराया।

हिंदी गोष्ठी में स्वागत संबोधन प्रस्तुत करते हुए श्री शिव अभिलाष भारद्वाज, अध्यक्ष, एईआरबी

तत्पश्चात कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में पधारे परमाणु ऊर्जा नियामक परिषद के पूर्व व प्रथम अध्यक्ष प्रो. ए.के.डे तथा एनपीसीआईएल के पूर्व प्रबंध निदेशक श्री एस.के.चटर्जी ने कुडनकुलम परमाणु विद्युत इकाई 1 व 2 की संरक्षा समीक्षा के संबंध में अपने अनुभव साझा किए।

अतिथि गण के व्याख्यानों के पश्चात "कुडनकुलम यूनिट # 1 व 2 की संरक्षा समीक्षा रिपोर्ट" की सारांश पुस्तिका का विमोचन किया गया। यह सारांश पुस्तिका द्विभाषिक रूप में जारी की गई।

सारांश पुस्तिका के विमोचन के पश्चात श्री शीलेंद्र कुमार मेहता, अध्यक्ष, एसीपीएसआर, एलडब्ल्यूआर #1 व पूर्व निदेशक, रिएक्टर ग्रुप, बीएआरसी ने अपना आधार व्याख्यान प्रस्तुत किया। अपने व्याख्यान में श्री मेहता ने कुडनकुलम यूनिट # 1 व 2 के नियमन के लिए एसीपीएसआर के गठन व उसके महत्व, एसीपीएसआर की सहायता के

लिए विभिन्न टास्क फोर्स व संबंधित समूहों के गठन, उनकी कार्यप्रणाली, अपनी तरह के पहले (First Of A Kind) रिएक्टरों के नियमन में आने वाली परेशानियाँ व उनके निराकरण के लिए अपनाई गई कार्यपद्धति के बारे में प्रस्तुति दी।

श्री शीलेंद्र कुमार मेहता की प्रस्तुति के पश्चात श्री दिनेश कुमार शुक्ला, कार्यकारी निदेशक, एईआरबी ने समापन संबोधन प्रस्तुत किया। अपने संबोधन में कार्यकारी निदेशक महोदय ने एसीपीएसआर की उपलब्धियों तथा उनमें श्री शीलेंद्र कुमार मेहता के योगदान पर चर्चा की साथ ही उन्होंने कुडनकुलम विद्युत संयंत्रों के नियमन से जुड़े सभी वैज्ञानिकों को धन्यवाद भी दिया।

स्वागत सत्र के पश्चात दो तकनीकी सत्र आयोजित किए गए जिनमें प्रथम सत्र में डॉ.वी.के.चतुर्वेदी, पूर्व सीएमडी, एनपीसीआईएल की अध्यक्षता में निम्नलिखित व्याख्यान प्रस्तुत किए गए ;

1.	भारत में वीवीईआर 1000 Mwe नाभिकीय ऊर्जा संयंत्र स्थापित करने की ऐतहासिक पृष्ठभूमि	डॉ. श्रेयांस कुमार जैन पूर्व अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, एनपीसीआईएल
2.	कुडनकुलम 1 व 2 की संरक्षा समीक्षा के नियामक परिप्रेक्ष्य	श्री सतिंदर सिंह बजाज पूर्व अध्यक्ष, एईआरबी
3.	कुडनकलम 1 व 2 के निर्माण, कमीशनन एवं प्रचालन के अनुभव	श्री आर.एस.सुंदर पूर्व स्थल निदेशक, कुडनकलम 1 व 2 कार्यकारी निदेशक, (एलडब्ल्यूआर-ओ) एनपीसीआईएल

प्रथम तकनीकी सत्र के पश्चात आयोजित द्वितीय तकनीकी सत्र में एसीपीएसआर के सहयोगी विशेषज्ञ समूहों के वैज्ञानिक अधिकारियों ने अपने फीडबैक प्रदान किए। इस तकनीकी सत्र की अध्यक्षता श्री शिव अभिलाष भारद्वाज, अध्यक्ष, परमाणु ऊर्जा नियामक परिषद ने की इस सत्र में विशेषज्ञों ने निम्नवत अपने फीडबैक प्रदान किए ;

01	प्रचालन हेतु तकनीकी विशिष्टताएँ	श्री आर.आई.गुजराती, समन्वयक केके/एसजी-16 पूर्व निदेशक, एनपीएसडी, एईआरबी
02.	कमीशनिंग रिव्यू	श्री फ्रेडरिक लाल, समन्वयक केके/एसजी- कमीशनन, पूर्व निदेशक, एनपीएसडी,एईआरबी
03.	सर्विस से पहले एवं सर्विस के दौरान निरीक्षण एवं सामग्री संबंधित पहलू	श्री बी.के.शाह, समन्वयक, टी.एफ.-पीएसआई / आईएसआई एवं एस.जी.-एमएटी पूर्व प्रमुख एएफडी, बीएआरसी
04.	कुडनकुलम 1 व 2 में उपकरणन एवं नियंत्रण के पहलू	श्री आर.के.पाटिल पूर्व सह निदेशक, ई एण्ड आई, बीएआरसी
05.	कुडनकुलम 1 व 2 के नियमन से जुड़ी विशेष घटनाएँ	श्री ए.के.आनंद पूर्व अध्यक्ष, पीडीएससी, कुडनकुलम 1 व 2

06.	कुडनकुलम 1 व 2 का सिविल निर्माण	डॉ. पी.सी.बासु पूर्व निदेशक, सीएसईडी, एईआरबी
07.	आर.पी.वी.डिजायन संरक्षा समीक्षा	श्री आर.एस.यादव पूर्व समूह निदेशक, आर.पी.जी., बीएआरसी
08.	कमीशनिंग संबंधित प्रक्रियाएँ	श्री जी.नागेश्वर राव पूर्व निदेशक (प्रचालन), एनपीसीआईएल

द्वितीय तकनीकी सत्र की समाप्ति के साथ ही गोष्ठी संपन्न हुई।